

#### ग्रसाबारण

### EXTRAORDINARY

भाग II-- सम्ब 3-- जपसम्ब (i)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 148]

नई विस्ली, बुधवार, धगस्त 12, 1970/आवण 21, 1892

No. 148]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 12, 1970/SRAVANA 21, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह शलग संकलन के कप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue & Insurance)

#### NOTIFICATION

Customs

New Delhi, the 12th August, 1970

G.S.R. 1177.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act. 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Company Law) No. 91-Customs, dated the 6th June, 1964, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts each of the raw materials for the plastic industry specific in the Schedule hereo annexed, when imported into India, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon, which is specified in the First Schedule to the Indian Tariff Act. 1934 (32 of 1934), as is in excess of 25 per cent ad valorem:—

Provided that the Assistant Collector of Customs shall, unless he is satisfied that the raw materials specified in the said Schedule, are required for the plastic industry, require the importer to execute a bond in such form and in such sum and with such surety as may be specified by the Assistant Collector of Customs.

Se tal No	Relative Item No. in the First Schedule to the I wish Tariff Act, 1934.	Name of the raw material
2,	82(3)	Cell dose plastics, excepting cellulose arcetate.
3.	82(3)	Vi vyl resins

[No. 76/F. No. 15/4/69-Cus I.] J. DATTA, Dy. Secy.

## वित्त मन्नान्य

# (राजस्व ग्रीर बीमा विभाग)

# **प्रशिस्**बग्ग

सीमा शुल्कः

नई दिली, 12 धगस्त, 1970

सा० का० नि० 1177.—सीमा शुल्क श्रिष्ठिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपघारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंद्रालय (राजस्व ग्रौर कम्पनी विधि विभाग) की श्रिष्ठिम् भूचना सं० 91—सीमाणुल्क, तारीख 6 जून, 1964 को श्रिष्ठिकांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में श्रावश्यक है एतद्द्वारा प्लास्टिक उद्योग के लिथे उस प्रत्येक कच्चे माल को, जो इससे सलगन अनुभूची में विनिर्विष्ट है, तब, जब वह भारत में श्रायात किया जाए, उस पर उद्ग्रहणोय सीमाणुल्क के उस भाग के, जो भारतीय टैरिक श्रिष्ठिनियम, 1934 (1934 का 32) की प्रथम श्रनुसूची में विनिर्विष्ट है, उतने से छुट देती है जो 25 प्रतिशत मूल्यानुसार के श्राधिक्य में है:

परन्तु सहायक सीमाशुरूक कलक्टर जब तक कि उसका यह समाधान न हो गया हो कि उस अनुसूची में विनिर्दिष्ट कच्चा माल प्लास्टिक उद्योग के लिए अपेक्षित, है आयातकर्ता से ऐसे प्ररूप में और एसी राणि के लिये एसी प्रशिमूर्ति सहित जो सहायक सीमाशुरूक कलक्टर द्वारा विनिर्देष्ट की जाए, एक बन्धपय निष्पादित करने की अपेक्षा करेगा।

# **प्रनुसू**ची

कि० सं० भारतीय टैरिक ग्रधिनियम, 1934 की प्रथम ग्रनु- क व्वे माल का नाम सूची में सबद्ध मद स०

1 2	28 82(3)	स्टाइरीन मेलुलोज एसिटेट प्लास्टिक	के सिवाय मेलुलोस
3	82(3)	वाइनिल रेजिन	

[सं० 7 /का स ± 5/4/6 /- पीमा शल्क 1]

ज्योतिमंय दत्त,

त्रुप सचिव ।